

## ASI द्वारा शिलालेखों का प्रतकृतियन

स्रोत: द हट्टि

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) ने तमलिनाडु के तडुपुडर ज़ल्लि में थलीश्वरर मंदरि में पत्थर के शिलालेखों की नकल करने के लडि एक परडिोजना शुरु की है ।

- **एस्टैम्पेज वडि:** यह पुरातत्त्ववडिों ड्वारा वशिलेषण हेतु शिलालेखों की प्रतकृति के लडि इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक है ।
  - इस प्रकुरडिा में **उत्कीरण पत्थर को बरश से साफ करना**, उत्कीरण को स्थानांतरति करने के लडि पत्थर पर पहले से भणिगे गए **मैपलथिो पेपर** को लगाना और अकषरों को पुनः उजागर करने के लडि कागज़ पर स्याही लगाना शामिल है ।
  - सूखने के बाद, शीट के पीछे शिलालेख के स्थान के बारे में ववरण लखिा जाता है ।
  - ये प्रतकृति शिलालेख ऐतहिसकि शासकों की डिवनशैली, अरथव्यवस्था, संस्कृतिथिों और प्रशासनकि प्रथाओं के संडरभ में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं, जसिसे अनड ऐतहिसकि स्रोतों के साथ पुष्टि के माधुड से राजवंशीय इतहिस की बेहतर समझ मलति है ।
- **अभनिरिडारति कडिे गए शिलालेख:** 8 शिलालेख खोजे गए हैं, जनिमें 9वीं शताडुदी का **वट्टेडुथु (प्राचीन तमलि लडिि)** और 12वीं शताडुदी के तमलि में सात शिलालेख शामिल हैं । ये शिलालेख एक **चेर शासक** (प्राचीन तमलिनाडु के 3 प्रमुख राजवंशों में से एक, जो कला, वास्तुकला और साहित्य में अपने डुगदान के लडि जाना जाता है) ड्वारा मंदरि के नरिमाण का दस्तावेज़ीकरण करते हैं ।
- डीम ने **दु डीरो स्टुन** (डुद्ध में नाडक की सम्मानजनक मृत्यु की स्मृति में एक स्मारक), **एक अडुडनार** (दकषणि भारत में एक प्रसडिि लोक डेवता) **मूरतकिला** और मंदरि के समीप एक **नंडी (बैल)** मूरतकिला से शिलालेख डरज कडिे ।

//



और पढें: [ASI ड्वारा खुए हुए समारकों को सूची से हटाना](#)

